प्रादर्श प्रश्न पत्र 2011

विषय – राजनीति विज्ञान (Political Science)
कक्षा – बारहवीं

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**
Time- 3 Hours **Maximum Mark – 100**

निर्देश–

i. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

ii. प्रश्न पत्र में दिये गये निर्देश सावधानी पूर्वक पढ़कर उत्तर लिखिए।

iii. प्रश्न 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिनके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, सत्य/असत्य, सही जोड़ी बनाना, एक वाक्य में उत्तर तथा सही विकल्प का चयन करना है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। 1x5= 5x5 = 25 अंक

iv. प्रश्न क्रमांक 6 से 21 तक में आन्तरिक विकल्प दिये गये है।

v. प्रश्न क्रमांक 6 से 12 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 75 शब्दों में लिखना है।

vi. प्रश्न क्रमांक 13 से 19 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में लिखना है।

vii. प्रश्न क्रमांक 20 तथा 21 में प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखना है।

Instructions –

i. All question are compulsory.

ii. Please the instructions carefully before writing the answer.

iii. Q. No. 1 to 5 are objective type which contain fill up the Blank, True/False, match the column, one sentence answer and choose the correct answers. Each question is allotted 5 marks. 1x1 = 5x5 =25 Marks.

iv. Internal options are given in Q. No. 6 to 21.

v. Q. No. 6 to 12 carry 4 marks each and answer should be given in about 75 words.

vi. Q. No. 13 to 19 carry 5 marks each and answer should be given in about 120 words.

Q. No. 20 and 21 carry 6 marks each and answer should be given in about 150 words.

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए –

(अ) संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन प्रारंभ हुआ था–

(i) 11 दिम्बर 1946 को (ii) 9 दिसम्बर 1946 को

(iii) 14 दिसम्बर 1946 को (iv) 8 दिसम्बर 1946 को

(ब) संविधान सभा के अस्थाई अध्यक्ष थे –

(i) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (ii) पं. जवाहरलाल नेहरू

(iii) जयप्रकाश नारायण (iv) डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा

(स) संविधान निर्माण में कुल कितना समय लगा –

(i) 2 वर्ष 11 माह 18 दिन (ii) 2 वर्ष 10 माह 18 दिन

(iii) 2 वर्ष 9 माह 18 दिन (iv) 2 वर्ष 8 माह 18 दिन

(द) क्षेत्रवाद का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्ष है –

(i) गरीबी (ii) राजनीतिक लाभ

(iii) पृथक राज्य की मांग (iv) आर्थिक सुधार

(इ) गुट–निरपेक्ष आंदोलन के प्रमुख नेता थे –

(i) महात्मा गांधी (ii) मौलाना आजाद

(iii) पं. जवाहरलाल नेहरू (iv) सरदार पटेल

Select the correct answer.

(a) First meeting of constituent assembly was held on -

(i) 11 Decembr 1946 (ii) 9 December 1946

(iii) 14 December 1946 (iv) 8 December 1946

(b) Temporary chairman of constitution committee was -

(i) Dr. Rajendra Prasad (ii) Pt. Jawaharlal Nehru

(iii) Jay Prakash Narayan (iv) Dr. Sachchidanand Sinha

(c) The total time taken in drafting of the constitution was -

(i) 2 years 11 months 18 days (ii) 2 years 10 months 18 days

(iii) 2 years 9 months 18 days (iv) 2 years 8 months 18 days

(d) The most important side of Regionalism is -

(i) Poverty (ii) Political gain

(iii) Demand of individual state (iv) Economic Reform

(e) The Main Leader of Non-aligned Movement was :-

(i) Mahatma Gandhi (ii) Maulana Azad

(iii) Pt. Jawaharlal Nehru (iv) Sardar Patel

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(i) अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को.....श्रेणी के राज्य में रखा गया है।

(ii) भारतीय नागरिकों के.....मौलिक अधिकार है।

(iii) .....नक्सलवाद प्रभावित राज्य है।

(iv) सन् 1955 में गठित राष्ट्र भाषा आयोग के अध्यक्ष .....थे।

(v) राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन.....में हुआ।

Fill in the blanks.

(i) Andman and Nikobar islands are placed in .....category of State.

(ii) There are.....fundamental rights of Indian Citizen.

(iii) .....State is affected by Naxalism.

(iv) .....was the Chairman of National Language Commission of 1955

(v) National women commission was organised in.....

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' के लिए स्तंभ 'ब' से चुनकर सही जोड़ी बनाइये –

अ		**ब**
(अ) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना	–	सन् 1946
(ब) गुट निरपेक्ष देशों का सातवां शिखर सम्मेलन	–	9 अगस्त 1971
(स) 14वां गुट निरपेक्ष शिखर सम्मेलन हुआ	–	सन् 1983
(द) भारत सोवियत रूस मित्रता एवं सहयोग संधि	–	27 दिसम्बर 1945
(इ) विश्व बैंक की स्थापना	–	सितम्बर 2006
	–	सन् 1945
	–	जनवरी 1993

Make the correct pair for column 'A' choosing from column 'B'

	A	- B
(a)	Establishment of international monetary fund	- 1946 A.D.
(b)	The seventh summit of non-aligned countries was held in	- 9 Aug. 1971
(c)	The fourteenth non-aligned summit was held in	- 1983 A.D.
(d)	Indo-Soviet Treaty of friendship and Co-operation signed	- 27 Dec. 1945
(e)	The world Bank founded	- Sep. 2006
		- 1945 AD
		- January 1993

प्रश्न 4. प्रत्येक का एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. योजना आयोग की स्थापना कब हुई?
2. संयुक्त राष्ट्र का ह्रदय कहा जाता है?
3. आर्थिक उदारीकरण क्या है?
4. भारत भू–मण्ड़लीकरण से कब जुड़ा?
5. राजनीतिक आधुनिकीकरण क्या है?

Write the Answer in one sentence each.

2. When was planning Commission established?
3. The heart of united Nation is called?
4. What is Economic liberalization?
5. When did India Join Globalization?
6. What is Political Modernization?

प्रश्न 5. निम्नलिखित का सत्य या असत्य में उत्तर दीजिए –

(i) आधुनिकीकरण का लक्षण अशिक्षा नहीं है।

(ii) संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना 24 अक्टूबर 1945 को हुई थी।

(iii) भारत को निःशस्त्रीकरण आयोग की सदस्यता 1952 में मिली।

(iv) विश्व स्वास्थ्य संगठन 7 अप्रैल 1948 को स्थापित हुआ।

(v) संयुक्त राष्ट्र संघ का सचिवालय पेरिस में स्थित है।

Answer the following in true or false.

(i) The symptom of modernization is not Illiteracy.

(ii) United Nations organization founded at 24th October 1945.

(iii) India's Membership of Disarmament Commission in 1952.

(iv) W.H.O. was established on 7th April 1948.

(v) The Head Office of U.N.O. is in Paris.

प्रश्न 6. भारत विभाजन के कोई चार प्रमुख कारण लिखिए

Write any four important reasons for division of India.

अथवा

Or

भारत ने कश्मीर के महाराजा की किस प्रकार मदद की थी?

How did India help the Maharaja of Kashmir?

प्रश्न 7. नियोजन के कोई चार उद्देश्य लिखिए।

Give any four objectives of Planning.

अथवा

Or

अनुसूचित जातियों के विकास के लिए क्या उपाय किए गये है?

What plans have been made for the development of Scheduled Castes?

प्रश्न 8. सामाजिक असमानता का लोकतंत्र पर क्या प्रभाव पड़ता है?

What are the effects of Social Inequality on democracy?

अथवा

Or

''निक्षरता व्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित करती है।'' सिद्ध कीजिए।

Prove that the "Illiteracy Constrains the freedom of an Individual".

प्रश्न 9. भारत में पर्यावरणीय प्रदूषण के क्या कारण है?

What are the causes of environmental Pollution in India?

अथवा

Or

सामाजिक आंदोलन के प्रमुख कार्य लिखिए।

Write the Major Functions of Social-Movement.

प्रश्न 10. भारतीय विदेश नीति को प्रभावित करने वाले चार तत्वों को लिखिए।

Write four elements effecting Indian foreign policy.

अथवा

Or

तनाव शैथिल्य के अभ्युदय के लिए उत्तरदायी कारक लिखिए।

Write the responsible factors for the emergence of Detente.

प्रश्न 11. भारत एवं बांग्ला देश में तनाव के कोई चार कारण लिखिए।

Write any four causes of difference between India and Bangladesh.

अथवा

Or

भारत–श्रीलंका में मतभेद के चार कारण लिखिए।

Write down four causes of misunderstanding between India and Sri-Lanka.

प्रश्न 12. भूमण्डलीकरण के उदय के कोई चार कारण लिखिए।

Write any four causes of rise of Globalisation.

अथवा

Or

आर्थिक उदारीकरण के कोई चार उद्देश्य लिखिए।

Write any four aims of Economic Liberalization.

प्रश्न 13. सन् 1962 के बाद की कश्मीर समस्या क्या है? भारत द्वारा दिए गए तर्क लिखिए।

What is the Kashmir Problem after 1962 A.D.? Write the arguments given by India.

अथवा

Or

सरकार द्वारा राज्य पुनर्गठन आयोग की कौन सी सिफारिशें स्वीकृत की गई है? लिखिए।

Write the recommendations of State Reorganisation Commission that the Government accepted.

प्रश्न 14. राष्ट्रीय विकास परिषद के कार्यों को संक्षेप में लिखिए?

Write the functions of National Development council in brief.

अथवा

Or

योजना आयोग के प्रमुख कार्यों को संक्षेप में लिखिए।

Write the main functions of Planning Commission in brief.

प्रश्न 15. भारत में क्षेत्रवाद के उदय के कारणों को समझाइए।

Explain the causes for the rise of regionalism in India.

अथवा

Or

भाषावाद पर अंकुश हेतु पांच सुझाव दीजिए?

Give five suggestions to Curblinguism.

प्रश्न 16. भारत में सहकारी आंदोलन की असफलता के कारण लिखिए।

Write the cause of failure of Co-operative Movement in India.

अथवा

Or

भारत में महिला सशक्तिकरण हेतु क्या प्रयास किए गए है? संक्षेप में लिखिए।

What efforts have been made for empowerment of women in India? Write in brief.

प्रश्न 17. भारतीय विदेश नीति के प्रमुख सिद्धांतों को लिखिए।

Write the main Principles of Indian Foreign Policy.

अथवा

Or

भारत द्वारा गुट निरपेक्षता की नीति अपनाये जाने के कारण लिखिए।

Write the reasons to follow the Policy of Non-aligned policy by India.

प्रश्न 18. भारत रूस संबंधों की विवेचना कीजिए?

Discuss the relationship of India and Russia.

अथवा

Or

भारत एवं नेपाल के संबंधों की विवेचना कीजिए।

Describe the relationship between India and Nepal.

प्रश्न 19. संयुक्त राष्ट्र संध के प्रमुख अंगों का उल्लेख कीजिए।

Describe main organs of united Nation organisation.

अथवा

Or

संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के योगदान को लिखिए।

Write the contribution of India towards U.N.O.

प्रश्न 20. भारत के संविधान की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

Write down the features of the Indian Constitution.

अथवा

Or

राज्य के नीति–निर्देशक सिद्धांतों के महत्व की विवेचना कीजिए।

Define the importance of Directive Principles of the State Policy.

प्रश्न 21. दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के गठन और महत्व का वर्णन कीजिए।

Describe on the organisation and importance of South Asian Association for Regional Co-operation (SAARC).

अथवा

Or

विश्व बैंक की कार्यप्रणाली एवं कार्यों का वर्णन कीजिए।

Describe on the working and functions of world-Bank.

– – – – – –

आदर्श उत्तर

विषय – राजनीति विज्ञान (Political Science)
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. सही विकल्प –

(अ) (ii) 9 दिसम्बर 1946

(ब) (iv) डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा।

(स) (i) 2 वर्ष 11 माह 18 दिन।

(द) (iii) पृथक राज्य की मांग।

(इ) (iii) पं. जवाहरलाल नेहरू।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. रिक्त स्थान –

(i) डी. श्रेणी।

(ii) 06

(iii) आंध्रप्रदेश

(iv) बी.जे. खेर।

(v) सन् 1990

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सही जोडियां –

	अ	–	**ब**
(अ)	अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना	–	27 दिसम्बर 1945
(ब)	गुट निरपेक्ष देशों का सातवां शिखर सम्मेलन	–	सन् 1983
(स)	14वां गुट निरपेक्ष शिखर सम्मेलन हुआ	–	सितम्बर 2006
(द)	भारत सोवियत रूस मित्रता एवं सहयोग संधि	–	जनवरी 1993
(इ)	विश्व बैंक की स्थापना	–	सन 1945

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. एक वाक्य में उत्तर –

(1) सन् 1950 में योजना आयोग की स्थापना हुई।

(2) सुरक्षा परिषद को राष्ट्र संघ का ह्रदय कहा जाता है।

(3) पूंजी, तकनीक तथा मानवीय श्रम का विश्वव्यापीकरण प्रारंभ होगा। उद्योग तथा व्यापार को अनावश्यक के प्रतिबंधों से मुक्त करना।

(4) सन् 1991 में भारत भूमण्डलीकरण से जुड़ा।

(5) राजनीतिक व्यवस्थाओं में आने वाले परिवर्तनों से है तथा धर्म निरपेक्ष एवं कल्याणकारी राज्य की स्थापना से है।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. सत्य/असत्य –

(i) सत्य

(ii) सत्य

(iii) असत्य

(iv) सत्य

(v) असत्य

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. भारत विभाजन के कारण :–

1. **मुसलमानों की भावनाएं** :– मुसलमान अपने आपको हिन्दुओं से अलग मानते चले आ रहे थे। उनकी इस भावना को मोहम्मद इकबाल, जिन्ना तथा मुस्लिम लीग ने और बढ़ावा दिया।
2. **मुस्लिम साम्प्रदायिकता का अंग्रेजी हुकूमत द्वारा प्रोत्साहन** :– अंग्रेजी सरकार ने द्विराष्ट्र सिद्धांत का समर्थन करके मुस्लिम लीग को प्रत्येक संभव सहयोग दिया।

3. **कांग्रेस का मुस्लिम लीग के प्रति रवैया :–** अनेक बार कांग्रेस ने मुस्लिम लीग की अनुचित मांगों को स्वीकारते हुए उसके साथ समझौता किए जिससे उनके मनोबल में बढ़ोत्तरी हुई।
4. **लीग सदस्यों का अन्तरिम सरकार में सम्मिलित होना :–** अन्तरिम सरकार में मुस्लिम लीग को सम्मिलित किए जाने का परिणाम शासन की कार्यकारिणी में विभाजन के रूप में उभरा और कांग्रेस को भारत विभाजन स्वीकार करना पड़ा।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत ने सैन्य कार्यवाही द्वारा कश्मीर घाटी से घुसपैठियों को खदेड़कर कश्मीर के महाराजा की मदद की थी। कश्मीर के पश्चिमी हिस्से में मुस्लिमों ने महाराजा के खिलाफ बगावत करके आजाद कश्मीर सरकार स्थापित की। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए पठान कबीलों ने कश्मीर पर हमला किया। इस आक्रमण से घबराकर महाराजा ने भारत से सैन्य कार्यवाही करने की मदद मांगी। तब भारतीय सैन्य बल कश्मीर रवाना किए गए उन्होंने कबायलियों को कश्मीर सीमा से खदेड़कर बाहर किया।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. **नियोजन के उद्देश्य :–** नियोजन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी क्षेत्र विशेष अथवा निश्चित समयावधि में हासिल किये जाने वाले लक्ष्यों का निर्धारण किया जाता है। इनमें उन तरीकों एवं साधनों का भी उल्लेख होता है जिनके माध्यम से साधनों को पूर्ण किया जा सकता है। इसके उद्देश्य :–

1. समाज के विभिन्न वर्गों के बीच विद्यमान आय एवं संपत्ति के असमान वितरण को कम करना।

2. देश में उपलब्ध प्राकृतिक तथा मानव संसाधनों का समुचित उपयोग करके उत्पादन में बढ़ोत्तरी करना।
3. आय तथा रोजगार के अवसरों में बढ़ोत्तरी की दिशा में प्रत्येक संभव उपाय करना।
4. सुरक्षा तथा शांति की दिशा में प्रयास करना।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अनुसूचित जातियों के विकास हेतु :–

1. अस्पृश्यता के विरूद्ध संरक्षण देकर अस्पृश्यता को दण्डनीय अपराध घोषित किया गया है।
2. शासकीय सेवाओं में आरक्षण देकर इन लोगों के आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करने और उन्हें सामाजिक न्याय दिलाने के लिए सरकारी नौकरियों और अन्य सरकारी प्रतिष्ठानों में एक निश्चित प्रतिशत में आरक्षण प्राप्त है।
3. अनुसूचित जातियों को शिक्षा हेतु प्रोत्साहन देने के लिए विद्यमान स्तर तक मुफ्त शिक्षा कापी–किताबों का वितरण, दोपहर का नाश्ता, छात्रावासों की स्थापना तथा स्कॉलरशिप प्रदान करने का कार्यक्रम चालू किया। इन जातियों के विद्यार्थियों को सरकार की ओर से प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी तैयार किया जाता है।
4. संसद राज्य विधान मण्डलों एवं अन्य स्वायत्तशासी संस्थाओं में प्रतिनिधित्व दिया गया है। बन्धुआ मजदूरी की प्रथा पर नियंत्रण सूदखोरों के कर्जों से मुक्ति, गांव में कृषि योग्य भूमि देकर उन्हें विकास की राह दिखलाना।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. सामाजिक असमानता का प्रभाव :–

1. **समाज तनावग्रस्त रहता है :–** देश में अनेक जाति, धर्म, वर्ण, रंग, व भाषा के लोग रहते है यदि इनमें आपसी सामंजस्य न रहे तो ऊंच–नीच, गरीब–अमीर का भेद बढ़कर दुर्भावनाएं पनप सकती है।
2. **राष्ट्रीय हितों की उपेक्षा :–** सामाजिक असामनता के कारण जातिवाद, क्षेत्रवाद जैसी समस्याएं खड़ी हो जाती है। इससे राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न होने की आशंका बनी रहती है।
3. **साम्प्रदायिकता की भावना को बढ़ावा :–** धर्म और सम्प्रदाय समाज को संकुचित दृष्टिकोणवादी बनाकर आपस में फूट, बैमनस्यता, घृणा पैदाकर हिंसा और अलगावाद को प्रोत्साहन देते है। इससे राष्ट्रीय एकता भंग होती है।
4. **क्षेत्रीय असंतुलन :–** भारत के सभी नागरिक समान स्तर पर अपना आर्थिक एवं सामाजिक विकास चाहते है। भौगोलिक विभिन्नता से लोग प्रगति नहीं कर पाते हैं वे आर्थिक और सामाजिक विकास में असंतुलन से निराश और असंतुष्ट रहते है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

व्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र द्वारा सुनिश्चित की जाती है। निरक्षरता व्यक्ति को अपनी स्वेच्छानुसार जीवन यापन करने की आजादी को बाधित करती है। यह एक ऐसी स्वतंत्रता है जिसे लोकतांत्रिक शासन प्रणाली द्वारा प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध कराया जाता है।

शिक्षा ही एकमात्र ऐसा साधन है कि जिसके द्वारा लोगों को सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक विकल्पों की समुचित जानकारी प्राप्त होती है। एक बिना पढ़ा लिखा निरक्षर व्यक्ति एक मतदाता अथवा उपभोक्ता के रूप में अपने

स्वतंत्र चयन का प्रयोग कदापि नहीं कर सकता। निरक्षर व्यक्ति का शोषण निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा अत्यधिक सरलतापूर्वक किया जा सकता है।

प्रशासकीय तंत्र भी उसे बड़ी सरलता से गुमराह कर सकता है। अतः कहा जाता है कि निरक्षरता व्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित करती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. भारत में पर्यावरणीय प्रदूषण के कारण :–

1. नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र में नगरीकरण एवं औद्योगीकरण की जरूरतों को पूर्ण करने हेतु भारी मात्रा में वनों की कटाई पर्यावरणीय प्रदूषण का मुख्य कारण है। ऑक्सीजन के प्रमुख वाहक पेड़ों की कटाई से भूमि की उपजाऊ क्षमता में कमी आती है तथा अनेक बीमारियों का उदय होता है।
2. कृषि के व्यापारीकरण ने भी पर्यावरणीय प्रदूषण को बढ़ाया है। रासायनिक खादों से मिट्टी की स्वाभाविक उपज पर प्रभाव पड़ता है।
3. रासायनिक खादों, कीटनाशकों, चर्मशोधन, कारखानों तथा ताप विद्युत घरों ने भी पर्यावरणीय प्रदूषण को बढ़ाया है।
4. पर्वतीय क्षेत्रों में अवैध खननों की वजह से घाटी बंजर भूमि में परिवर्तित होने लगी है। विशाल बांध परियोजनाओं से निचले क्षेत्र जलमग्न हो जाते है। जिसका सीधा असर जनजीवन पर पड़ता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

सामाजिक आन्दोलन के प्रमुख कार्य :–

1. **विशिष्ट लक्ष्य :–** इन आंदोलनों के विशिष्ट लक्ष्य होते है। ये लक्ष्य स्थिति आधारित भी हो सकते है और मूल्य आधारित भी।

2. **दबाव** :– सुव्यवस्थित समूहों के निर्माण हेतु सामाजिक आंदोलन दबाव डालता है। इसके द्वारा इस मत की अभिव्यक्ति भी होती है कि सामाजिक लक्ष्यों की प्राप्ति सुदृढ़ समूहों के द्वारा ही प्राप्त की जा सकती है।
3. **सामूहिक चेतना का स्पष्टीकरण** :– सामाजिक आंदोलन द्वारा नवीन विचारों का उदय तथा उसका संपूर्ण समाज में प्रसार होता है, जिससे सामूहिक चेतना में बढ़ोत्तरी होती है।
4. **मध्यस्थता** :– समाज एवं व्यक्ति के बीच मध्यस्थता का उत्तरदायित्व सामाजिक आंदोलनों द्वारा ही निभाया जाता है। सामाजिक आंदोलन द्वारा ही किसी व्यक्ति को सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया में हिस्सा लेने, विचार अभिव्यक्त करने तथा अपनी भूमिका का निर्वहन करने का अवसर प्राप्त होता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. भारतीय विदेश नीति को प्रभावित करने वाले तत्व :–

1. **भौगोलिक तत्व** :– भारत की सीमाओं से जुड़े राष्ट्रों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने के साथ–साथ सीमाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखकर विदेश नीति के निर्धारण में भौगोलिक तत्व महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
2. **ऐतिहासिक परम्पराएं** :– भारत की प्राचीन परम्परा अहिंसा, शांति, सह अस्तित्व और राष्ट्रों के मध्य समस्याओं को शांतिपूर्ण वार्ता से सुलझाने की रही है। भारतीय विदेश नीति में इन परम्पराओं का विशेष ध्यान रखा गया है।
3. **आर्थिक तत्व** :– हर राष्ट्र अपनी जनता को आर्थिक ढंग से संपन्न करने की आशा रखता है। इसके लिए विदेशी राष्ट्रों के सहयोग और सहायता की आवश्यकता पड़ती है। आर्थिक प्रगति तभी हो सकती है जब अन्तर्राष्ट्रीय शांति बनी रहे और संपन्न व विकसित देशों से मित्रतापूर्ण संबंध हो।

4. **विचार धाराओं का प्रभाव :–** भारत की विदेश नीति में मनु, अशोक, गांधी और नेहरू के विचारों का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। शांति, अहिंसा, सह अस्तित्व, धर्म निरपेक्षता अन्तर्राष्ट्रीय व अहस्तक्षेप के साथ–साथ सामाजिक न्याय की भावना, संविधान और विदेश नीति में देखी जा सकती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

तनाव शैथिल्य के अभ्युदय के लिए निम्नलिखित कारक उत्तरदायी है :–

1. वियतनाम युद्ध में अमेरिका की असफलता ने तनाव शैथिल्य के अभ्युदय हेतु उत्तरदायी कारक का कार्य किया।
2. चीन का एक नवीन शक्ति केन्द्र के रूप में उदित होना तनाव शैथिल्य का कारक बना।
3. तनाव शैथिल्य क अभ्युदय का प्रमुख उत्तरदायी कारक दोनों महाशक्तियों को परमाणु युद्ध का डर रहा है।
4. सोवियत रूस और चीन के मध्य बढ़ता विवाद, वैचारिक मतभेद तथा सीमा–विवाद के चलते वे एक दूसरे के विरोधी हो गए। दोनों साम्यवादी राष्ट्रों के मध्य बढ़ते हुए विवाद का लाभ अमरीका ने उठाया। उसने सोवियत संघ के साथ तनाव शैथिल्य की प्रक्रिया अपनायी ताकि सेवियत संघ पर दबाव बनाया जा सके।

अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में गुट निरपेक्षता और गुट निरपेक्ष आंदोलन के विकास ने भी तनाव शैथिल्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इससे साम्यवादी और पूंजीवादी राष्ट्रों को आपस में सहयोग बढ़ाने की प्रेरणा प्राप्त हुई।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. भारत एवं बांग्ला देश में तनाव के चार कारण :–

1. **फरक्का समस्या :–** बांग्ला देश ने गंगा के पानी बटवारे की समस्या (फरक्का समस्या) को संयुक्त राष्ट्र संघ व अन्य अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर उछालने का प्रयास किया।
2. **अल्पसंख्यकों एवं ''चकमा'' शरणार्थियों की समस्या :–** बांग्ला देश में हिन्दुओं और बाहरी मुसलमानों की सुरक्षित स्थिति न होने के कारण वे लोग अनाधिकृत रूप से भारत में प्रवेश करके वहां की स्थिति का बिगाड़ दिया है। भारत सरकार ने भारत–बांग्ला देश सीमा पर कंटीले तार लगाने के प्रयास किए।
3. **मुहरी नदी सीमा विवाद :–** मुहरी नदी के जल की मध्य रेखा ही भारत बांग्ला देश की सीमा रेखा है परंतु सन् 1979 में बांग्लादेश रायफल के अधिकारियों ने इस समझौते का उल्लंघन करके मुहरी नदी क तट पर भारतीय किसनों पर गोलीबारी की।
4. **नवभूर द्वीप विवाद :–** बंगाल की खाड़ी में उभरे एक नये द्वीप को लेकर दोनों देशों के मध्य एक नया मतभेद उत्पन्न हो गया। सन् 1981 में बंगलादेश के आठ युद्ध पोतों ने आक्रामक कार्यवाही करके इस पर अपना अधिकार करने का असफल प्रयास किया।

बांग्लादेश अपनी छोटी मानसिकता से भारत के साथ संबंध सुधारता व बिगाड़ता रहता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत–श्रीलंका में मतभेद के चार कारण :–

1. **नागरिकता संबंधी मतभेद :–** भारतीय मूल के तमिलों का नागरिकता संबंधी विवाद भारत तथा श्रीलंका के मध्य मतभेद का प्रमुख कारण बना हुआ है।

2. **सीमा निर्धारण संबंधी मतभेद** :– भारत श्रीलंका के मध्य समुद्री सीमा निर्धारण की समस्या की वजह से भी दोनों देशों में समय–समय पर मतभेद उभरता रहा है।
3. **महासागरीय मतभेद** :– हिन्द महासागर के नियंत्रण की समस्या को लेकर भी भारत श्रीलंका के मध्य मतभेद है।
4. **कच्छ टीबू टापू संबंधी मतभेद** :– भारत श्रीलंका के मध्य कच्छ टीबू टापू का मसला भी परस्पर मतभेद की प्रमुख वजह रही है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. भूमण्डलीकरण के उदय के चार कारण :–

1. **राष्ट्रों की पारस्परिक निर्भरता** :– आज कोई भी राष्ट्र पूर्णतः आत्मनिर्भर नहीं है। किसी के पास संसाधन नहीं है तो किसी को आधुनिक तकनीक नहीं है ऐसी जरूरतों के कारण पारस्परिक निर्भरता बढ़ी है।
2. **विज्ञान एवं तकनीक का विकास** :– व्यक्ति एक दिन में कई देशों का भ्रमण कर सकता है, घर बैठे व्यापार कर सकता है, दुनिया में कहीं भी किसी से भी संपर्क कर सकता है। इस तरह पूरी दुनिया एक परिवार के रूप में तेजी से बदल रहा है।
3. **पर्यावरण** :– पर्यावरण की रक्षा आज विश्वव्यापी समस्या बन गई है। ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए विकसित एवं विकासशील राष्ट्रों में एक सहमति विकसित करने की जरूरत महसूस हो रही है जिसने विश्व को एक जुट किया है।
4. **आतंकवाद की समस्या** :– आतंकवाद से कैसे बचाव किया जाय यह भी विश्वव्यापी चिंता का विषय है। इस सामान्य चिंता ने भी भूमण्डलीकरण के उदय तथा विकास में योगदान किया है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

आर्थिक उदारीकरण के उद्देश्य :–

1. आर्थिक उदारीकरण के कारण व्यक्तिगत पूंजी का बहाव विश्वव्यापी हो जाता है। इस कार्य में सूचना एवं संचार के आधुनिक माध्यम सक्रिय भूमिका निभाते है।
2. उपभोक्तावाद का तेजी से विस्तार होता है। पश्चिमी लोकप्रिय संस्कृति का फैलाव होता है।
3. आर्थिक उदारीकरण में सामाजिक व्यवस्था तथा संस्कृतिक व्यवस्था का भी उदारीकरण होता है। विश्व में पृथक–पृथक सांस्कृतिक पहचान के साथ सर्वव्यापी एकीकृत सांस्कृतिक व्यवस्था स्थापित हो जाती है।
4. रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना, सार्वजनिक क्षेत्र में एकाधिकार को दूर करना, प्रबंधकीय दक्षता का विकास करना, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शामिल होना, उत्पादन क्षमता में विकास करना तथा व्यवसाय के क्षेत्र में सरकार व नौकरशाही के हस्तक्षेप को कम करना है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. सन् 1962 में चीन ने भारत पर आक्रमण किया। पाश्चात्य देशों ने भारत की सहायता की। भारत और पाक विदेश मंत्रियों के मध्य वार्ता हुई, परंतु पाक विदेश मंत्री के अड़ियल रवैये के कारण वार्ता विफल हुई। सन् 1964 में पाकिस्तान ने पुनः कश्मीर के प्रश्न को उठाया परंतु बिना कोई प्रस्ताव पारितकिए बैठक स्थगित हो गई।

सन् 1965 में पाकिस्तान ने कश्मीर पर आक्रमण किया। बार–बार आक्रमण के बाद सफलता प्राप्त नहीं हुई। तब से आज तक कश्मीर समस्या का कोई हल नहीं खोजा जा सका।

कश्मीर विवाद पर दोनों ही देशों के अपने तर्क हैं। परिस्थितियां बदलने के कारण अब राजनैतिक प्रश्न बन गया है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

1 जनवरी सन् 1956 को भारत सरकार द्वारा राज्य पुनर्गठन आयोग की निम्नलिखित सिफररिशें को स्वीकृत कर लिया गया :–

1. राज्य पुनर्गठन आयोग की केरल, मध्यप्रदेश तथा कर्नाटक नामक नए राज्यों की स्थापना की सिफारिश स्वीकृत कर ली गई।
2. मद्रास, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम तथा उड़ीसा का यथावत् अस्तित्व बना रहे।
3. त्रिपुरा के क्षेत्र को असम में सम्मिलित नहीं किया जाए।
4. महाराष्ट्र में मुम्बई, मध्यप्रदेश तथा हैदराबाद के मराठी भाषा क्षेत्र और गुजरात में सौराष्ट्र कच्छ तथा मुम्बई के गुजराती भाषी क्षेत्रों को सम्मिलित किया जाए।
5. राज्यों की चारों प्रकार की श्रेणियों को समाप्त करके सभी राज्यों को एक समान स्तर प्रदान किया जाए। त्रिपुरा को केन्द्र प्रशासित क्षेत्र के रूप में बनाए रखा जाए। क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना की जाए। राज्यों की विभिन्न श्रेणियां समाप्त।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 14. राष्ट्रीय विकास परिषद के कार्य :–

1. योजना आयोग द्वारा तैयार किए गये योजना के प्रारूप पर विचार विमर्श करके उसे अंतिम स्वीकृति प्रदान करना।
2. समय–समय पर राष्ट्रीय योजना के कार्य की समीक्षा करना।
3. राष्ट्रीय विकास को प्रभावित करने वाली सामाजिक व आर्थिक नीति के महत्वपूर्ण प्रश्नों पर विचार करना।

4. राष्ट्रीय योजना क अन्तर्गत निर्धारित लक्ष्यों एवं उद्देश्यों की सफलता हेतु उपायों की सिफारिश करना। इसके अतिरिक्त जनता से सहयोग प्राप्त करना, प्रशासकीय सेवाओं की कार्य कुशलता में सुधार करना।
5. पिछड़े प्रदेशों तथा वर्गों का पूर्ण विकास करना।

परिषद एक परामर्शदात्री परिषद है, जो केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों को परामर्श देती है। भारत की महत्वपूर्ण आर्थिक समस्याओं पर विचार विमर्श किया जाता है और उनका सर्वसम्मत हल निकाला जाता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

योजना आयोग के कार्य :–

1. देश के भौतिक, पूंजीगत एवं मानवीय संसाधनों का अनुमान लगाते हुए राष्ट्रीय संसाधनों के अधिकाधिक प्रभावी एवं संतुलित उपयोग हेतु योजना निर्मित करना।
2. योजना के विभिन्न चरणों का निर्धारण करके प्राथमिकता के आधार पर संसाधनों का आवंटन करना।
3. योजना के प्रत्येक चरण के क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप प्राप्त सफलताओं की समय–समय पर समीक्षा करके सुधारात्मक परामर्श देना।
4. केन्द्र तथा उसकी इकाई राज्यों की सरकारों द्वारा विशेष समस्या पर परामर्श मांगने पर अपनी सलाह देना।
5. आर्थिक विकास में बाधक तत्वों की पहचान करके उन्हें सरकार को बताना योजना आयोग के कार्य क्षेत्र के अन्तर्गत ही आता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. भारत में क्षेत्रवाद के उदय के कारण :–

1. **ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि :–** पुरानी रियासतों का विभिन्न राज्यों में विलय हो जाने से ऐतिहासिक पृष्ठभूमि अलग रहने की भावना थी।
2. **विभिन्न संस्कृतियां :–** भारत के प्रत्येक क्षेत्र के निवासियों को अपनी–अपनी भाषा एवं संस्कृति पर गर्व है। अतः वे अपने लिए विशेष स्थितियों की मांग करते है।
3. **आर्थिक परिस्थितियां** :– कुछ भारतीय क्षेत्रों का तेजी से अत्यधिक आर्थिक विकास हुआ है जबकि देश के कुछ हिस्से इस दृष्टिकोण से पिछड़ गए। जन साधारण में असंतोष के मान उत्पन्न हुए जिसके कारण क्षेत्रवाद का उदय हुआ।
4. **जातीयता की भावना :–** जिस हिस्से में किसी एक जाति की प्रधानता रही वहां क्षेत्रीयता की भावना काफी उग्र रूप ले लेती है।
5. **राजनीतिक परिस्थितियां** :– राजनीतिक महत्वकांक्षाओं को पूर्ण करने हेतु प्रादेशिकता की आग, क्षेत्रवाद को उदित करने में सहायक सिद्ध होती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भाषावाद पर अंकुश लगाने हेतु निम्नलिखित सुझाव :–

1. भारत की राजभाषा एवं संपर्क भाषा हिन्दी ही हो सकती है। अतः अहिन्दी भाषी प्रदेशों को इस तथ्य को स्वीकारने हेतु प्रेरित किया जाना चाहिए।
2. अंग्रेजी भाषा का प्रयोग सीमित किया जाए लेकिन उसे पूर्णरूपेण समाप्त नहीं किया जाना चाहिए।
3. त्रिभाषा सूत्र को पूर्ण निष्ठापूर्वक लागू किया जाना चाहिए तथा भाषा को राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति का साधन बनने से रोका जाना चाहिए।

4. सभी स्तरों पर शिक्षा का माध्यम प्रादेशिक भाषाओं को बनाया जाए। इस प्रयोजन के लिए प्रादेशिक भाषाओं के विकास हेतु पर्याप्त रूप से ध्यान देना चाहिए।
5. भाषा को राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति का साधन बनाने से रोका जाना चाहिए और शैक्षणिक भ्रमणों व्याख्यानों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों आदि के माध्यम से भारतीय भाषाओं में निकट संपर्क स्थापित किया जाना चाहिए।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. भारत में सहकारी आंदोलन की असफलता के कारण :–

1. **नियोजन की कमी** :– हमारे देश में सहकारी आंदोलन का सूत्रपात किसी निश्चित एवं ठोस कार्यक्रम के आधार पर नहीं हुआ है। अतः यह किसी व्यावहारिक उपलब्धि को हासिल करने में असफल रहा है।
2. **अशिक्षा** :– भारत में बड़ी संख्या में लोग निरक्षर है। ये लोग सहकारिता सिद्धांतों तथा सहकारिता आंदोलनों के लाभों को ठीक प्रकार से समझ नहीं पाते। अतः सहकारिता आंदोलन के विकास की गति अवरूद्ध हो जाती है।
3. **निष्क्रिय समितियां** :– एक चौथाई सहकारी समितियां सक्रिय नहीं है। इन निष्क्रिय समितियों के कारण सहकारिता आंदोलन के विकास में रूकावट पैदा होती है।
4. **अकुशल प्रबंध व्यवस्था** :– इन संगठनों में कार्यरत कर्मचारी एवं प्रबंधक दोनों ही प्रबंध व्यवस्था में कुशल एवं निपुण नहीं होते। वे समितियों को अपने हित साधन हेतु प्रयोग करते है।
5. **शासकीय हस्तक्षेप** :– सहकारी आन्दोलन अनावश्यक शासकीय हस्तक्षेप की वजह से भी असफल रहा है। सरकार इनके पंजीकरण अंकेक्षण से इनके संचालन में अनावश्यक रूप से दखल देती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत में महिला सशक्तिकरण हेतु किए गए प्रयास :–

1. **महिला विकास योजनाएं :–** भारत में महिलाओं के विकास, कल्याण तथा सशक्तिकरण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रम तथा योजनाएं सरकार द्वारा चलाई जा रही है।
2. **महिला आरक्षण** :– पंचायत राज व्यवस्था में एक तिहाई स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित कर दिए गए है।
3. **महिला आयोग की स्थापना :–** सन् 1990 में राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन किया गया। यह आयोग महिलाओं पर हुए अत्याचारों, उत्पीड़न, शोषण तथा अपहरण इत्यादि मामलों की जांच पड़ताल करते है।
4. **प्रशासनिक कार्यों में सहभागिता :–** महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगभग सभी शासकीय कार्यालयों में महिला कर्मचारियों की नियुक्ति की जाती है।
5. **महिला अपराध प्रकोष्ठ तथा परिवार न्यायालय** :– महिला अत्याचारों को रोकने तथा उन पर सुनवाई करने हेतु महिला अपराध, प्रकोष्ठ तथा परिवार न्यायालयों का प्रावधान किया गया है। विवाह, तलाक, दहेज तथा पारिवरिक विवादों से संबंधित विवादों की सुनवाई करके परिवार न्यायालय न्याय संगत निर्णय करते हैं। महिलाओं को भावात्मक, मौखिक तथा शारीरिक दुर्व्यवहार के खिलाफ सशक्त बनाने के लिए घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम 2005 तथा अधिनियम 2006 पारित किए गए है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. भारतीय विदेश नीति के प्रमुख सिद्धांत :–

1. **तटस्थता अथवा असंलग्नता :–** भारत ने किसी भी सैनिक गुट में सम्मिलित न होकर असंलग्नता की नीति अपनाई।

2. **पंचशील :–** विभिन्न देशों के अस्तित्व के प्रति सहनशीलता जिसे पंचशील का नाम भी दिया जाता है। भारतीय विदेश नीति का एक अन्य मौलिक सिद्धांत है।
3. **आन्तरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप का विरोध :–** भारत विविध देशों के आन्तरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप का प्रबल विरोधी है।
4. **अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव, सहयोग एवं मित्रता :–** भारत विश्व के देशों के साथ सद्भाव सहयोग एवं मित्रता के संबंध स्थापित करता है।
5. **साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद एवं रंगभेद परक असमानता का विरोध :–** भारतीय विदेश नीति का एक अन्य सिद्धांत किसी भी रूप में वह साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद तथा रंगभेद का विरोध करता है।

विश्व शांति का प्रबल समर्थक होने के कारण भारत की विदेश नीति शस्त्रीकरण किए जाने के विरोध तथा निःशस्त्रीकरण के समर्थन की है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत द्वारा गुट निरपेक्षता की नीति अपनाने के कारण :–

1. **साम्राज्यवाद का विरोध :–** भारत ने एक लम्बे समय तक साम्राज्यवाद की त्रासदी को सहा था। अतः गुट निरपेक्षता की नीति पर चलने का मन बनाया।
2. **उपनिवेशवाद के कष्ट के कारण भीः–** उसने गुट निरपेक्षता की नीति को अपनाया।
3. **शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करने की इच्छा :–** स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लम्बे समय तक शांतिपूर्ण रह सके। इससे उसने किसी गुट में शामिल होने का अर्थ उसके समर्थक देशों के साथ युद्ध में अपनी सहभागिता देना था। इस परिस्थिति को टालने के लिए उसने गुट निरपेक्षता की नीति पर चलने का फैसला लिया।

4. **राष्ट्रीय आजादी की भावना :–** नव स्वतंत्र भारत स्वतंत्र रूप से अपने लिए अस्तित्व का निर्माण करने की दृढ़ इच्छा रखता था। अतः उसने गुट निरपेक्षता की नीति को ही अपने लिए अधिक उपयुक्त समझा।
5. **आर्थिक विकास की आवश्यकता :–** भारत विश्व की दोनों महाशक्तियों एवं उनके समर्थक राष्ट्रों से आर्थिक मदद प्राप्त करना चाहता था और यह लक्ष्य किसी गुट विशेष में सम्मिलित होकर प्राप्त नहीं हो सकता था। अतः भारत ने अपने आर्थिक विकास की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए गुट निरपेक्षता की नीति पर चलने का फैसला लिया।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. भारत–रूस संबंध :– 9 अगस्त 1971 को भारत सोवियत मैत्री संधि हुई। सन् 1990 में दोनों देशों ने आर्थिक संबंधों को मजबूती प्रदान करने हेतु कार्यकारी दल गठित किया। 27 जनवरी 1993 को रूसी राष्ट्रपति येल्तसिन की तीन दिवसीय भारत यात्रा से संबंध और मजबूत हुए। अक्टूबर 2000 में रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने राजनैतिक सहभागिता के बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किये।

नवम्बर 2001 में भारत के प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी की रूस यात्रा के दौरान मास्को घोषणा पत्र हस्ताक्षरित करके गर्म जोशी का संचार किया। दिसम्बर 2002 में राष्ट्रपति पुतिन पुनः भारत यात्रा पर आए, जिससे संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ी। दिसम्बर 2005 में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह तथा रूसी राष्ट्रपति के मध्य मास्को सम्मेलन में बौद्धिक सम्पदा सहित तीन समझौतों पर हस्ताक्षर हुए।

नवम्बर 2007 में डॉ. मनमोहन सिंह की रूसी यात्रा दोनों देशों के संघ में मील का पत्थर बनी। वर्तमान में भारत–रूस मित्रता समय की कसौटी पर खरी सिद्ध हो रही हैं।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत एवं नेपाल के संबंध :–

नेपाल भारत तथा तिब्बत के बीच स्थित है। तिब्बत पर चीन के आधिपत्य के पश्चात यह देश भारत एवं चीन के बीच एक अवरोधक राज्य (वफर स्टेट) का कार्य करता है।

चीन द्वारा तिब्बत पर अधिकार के पश्चात नेपाल का राजनीतिक महत्व भारत के लिए काफी बढ़ गया है। उत्तर में भारत की सुरक्षा पर्याप्त सीमा तक नेपाल की सुरक्षा पर ही निर्भर करती है। सन् 1950 को पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा था – ''जहां तक कुछ एशियाए गतिविधियों का संबंध है भारत और नेपाल के बीच किसी प्रकार का सैन्य समझौता नहीं है, लेकिन नेपाल पर किए जाने वाले किसी भी आक्रमण को भारत सहन नहीं कर सकता।

सन् 1956 में भारतीय राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने अपनी नेपाल यात्रा के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा था कि ''नेपाल की शांति एवं सुरक्षा हेतु कोई भी खतरा भारतीय शांति तथा सुरक्षा के लिए खतरा है। नेपाल के मित्र हमारे मित्र तथा उसके शत्रु हमारे दुश्मन है।''

सन् 2010 में दक्षेश के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह तथा नेपाली प्रधानमंत्री माधव कुमार ने भेंट कर संविधान निर्माण सहित शांति प्रक्रिया की स्थिति के संबंधों को मजबूती प्रदान की।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख अंग :–

1. **महासभा** :– यह संयुक्त राष्ट्र संघ की सर्वोच्च प्रतिनिधि सभा है। संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रत्येक सदस्य इसका सदस्य होता है। प्रतिवर्ष इसका एक अधिवेशन होता है। नए सदस्यों को सदस्यता देना, सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्यों का चयन, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव की नियुक्ति इसके कार्य है। सदस्य संख्या वर्तमान में 193 है।

2. **सुरक्षा परिषद** :– इसमें 5 स्थायी सदस्य तथा 10 अस्थायी सदस्य होते हैं। स्थायी सदस्य अमेरिका, इंग्लैण्ड, फ्रांस, रूस तथा चीन है। अस्थायी सदस्यों का निर्वाचन महासभा प्रति दो वर्ष बाद करती है। इसका प्रमुख कार्य विश्व में शांति की स्थापना करके उसे बनाए रखना है।
3. **आर्थिक एवं सामाजिक परिषद** :– इसका गठन महासभा द्वारा निर्वाचित सदस्यों से होता है। यह विश्व में सामाजिक एवं आर्थिक कल्याण संबंधी कार्य करती है।
4. **न्यास परिषद** :– यह परिषद उन देशों के प्रबंधन की देखभाल हेतु गठित की गई है जिन्हें द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात औपनिवेशिक देशों से मुक्ति मिली थी।
5. **अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय** :– यह विश्व के देशों के बीच विवादों का निर्णय अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुसार करता है। इसके न्यायाधीशों की नियुक्त महासभा द्वारा की जाती है। इसका मुख्यालय हेग में है। इसमें न्यायाधीशों की संख्या 15 होती है।
6. **सचिवालय** :– यह संयुक्त राष्ट्र संघ के विधि अंगों तथा उसके स्वयं के कार्यालय के रूप में कार्य करता है। महासचिव कार्यालय का सर्वोच्च पदाधिकारी होता है तथा उसका चयन सुरक्षा परिषद की अनुशंसा पर महासभा द्वारा किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ के वर्तमान महासचिव बान–की–मून है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

संयुक्त राष्ट्र में भारत का योगदान :–

1. **संयुक्त राष्ट्र संघ के आदेशों का परिपालन** :– भारत 30 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बना था। उसने प्रारंभ से ही संयुक्त राष्ट्र संघ के आदेशों का परिपालन किया तथा युद्ध विराम किया था।

2. **अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान तथा विश्व शांति की स्थापना में सहायता** :– भारत ने संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर अनेक अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान में निर्णायक भूमिका का निर्वहन किया। कोरिया, हिन्द चीन कांगों तथा मिश्र देशों की समस्या को हल करने में भारत का योगदान दुनिया से छिपा हुआ नहीं है।
3. **संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन में सहयोग** :– भारत ने शुरू से ही संयुक्त राष्ट्र संघ की कार्य प्रणाली तथा उसके संगठन में सहभागिता की है। वर्तमान में लगभग 140 भारतीय संयुक्त राष्ट्र संघ के सचिवालय में कार्यरत है।
4. **संयुक्त राष्ट्र संघ को विश्व व्यापी संगठन बनाने का प्रयास** :– भारत चाहता है कि यह संगठन विश्वव्यापी बने जिससे यह दुनिया में शांति स्थापित करने में प्रभावी भूमिका का निर्वहन कर सकें।
5. **साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद का विरोध** :– भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ में उपनिवेशवाद तथा साम्राज्यवाद का तीव्र विरोध किया है। जिन राष्ट्रों ने अपने आपको साम्राज्यवाद के चंगुल से मुक्त कराने हेतु संघर्ष किया, उनका भारत ने पुरजोर समर्थन किया।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. भारत में संविधान की विशेषताएं :–

1. **निर्मित, लिखित एवं व्यापक संविधान** :– इसका निर्माण एक संविधान सभा द्वारा लिखित प्रलेख के रूप में किया गया है। यह विश्व का सबसे विशाल संविधान भी है। जिसमें 395 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियां तथा 4 परिशिष्ट है।
2. **कठोर एवं लचीले संविधान का उचित तालमेल** :– इसके अधिकांश भागों में संशोधन के लिए साधारण प्रक्रिया अपनाई जाती है, वहीं इसके महत्वपूर्ण भागों को संशोधित करने हेतु विशेष प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है।

3. **संसदीय शासन प्रणाली** :– केन्द्र तथा राज्य दोनों में कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है। कार्यपालिका के सदस्य विधायिका के भी सदस्य होते है तथा वास्तविक केन्द्रीय कार्यपालिका प्रधानमंत्री एवं उसकी मंत्री परिषद में निहित होती है।
4. **नागरिक के मूल अधिकार, कर्तव्यों तथा निति निर्देशक तत्वों का समावेश** :– संविधान द्वारा नागरिकों को छः मौलिक अधिकार प्रदत्त किए गए है जिसकी रक्षा का दायित्व न्यायपालिका को सौंपा गया है। वर्तमान में 11 कर्तव्य 42वें संविधान द्वारा जोड़ दिए गए है। भारत के संविधान में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों का भी उल्लेख है।
5. **स्वतंत्र निष्पक्ष न्याय पालिका** :– भारतीय संविधान द्वारा एक स्वतंत्र निष्पक्ष न्यायपालिका के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई है।
6. **अल्प संख्यक एवं पिछड़े वर्गों के कल्याणार्थ विशेष प्रावधान** :– भारतीय संविधान में अल्प संख्यकों तथा पिछड़े वर्गों के धार्मिक भाषाई तथा सांस्कृतिक हितों की रक्षार्थ विशेष प्रावधान किए गए है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 6 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों का महत्व :–

1. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत राज्य को कल्याणकारी बनाने में सहयोग प्रदान करते हैं और सरकार को राजनीतिक लोकतंत्र की स्थापना के साथ–साथ आर्थिक लोकतंत्र स्थापित करने में मददगार सिद्ध होते है।
2. राज्य के नीति निर्देशक दल को सत्ता का हस्तांतरण हो जाने पर भी राष्ट्र कल्याण की गति में रूकावट पैदा नहीं होती है।
3. यह सिद्धांत सदैव शासकों को उनके कर्तव्यों का आभास कराते रहते है जिसकी वजह से कोई भी राजनीतिक दल अनिष्टकारी क्रियाकलापों के प्रति उन्मुख नहीं होता है।

4. गांधीवादी आदर्शों को कार्य रूप में परिणित किए जाने के लिए राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों की उपयोगिता किसी से छुपी नहीं है।
5. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत जहां जनसाधारण की इच्छा को व्यक्त करते हैं वहीं ये सांस्कृतिक प्रगति में भी मददगार होते है।
6. नीति निर्देशक तत्वों में न्याय की स्थापना के साथ–साथ सबके लिए उचित जीविका के साधन समाज के भौतिक साधनों का समान वितरण महिलाओं तथा बच्चों के हितों के उचित संरक्षण आदि की बात कही गई है। इन तत्वों के माध्यम से भारत में एक लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना का प्रयास किया गया है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 6 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. सार्क का गठन एवं महत्व :–

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन को सार्क अथवा दक्षेश कहा जाता है। इस अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की स्थापना 8 दिसम्बर 1985 का बांग्ला देश की राजधानी ढ़ांका में की गई थी। यह संगठन दक्षिण एशिया के देशों का संगठन है जिसका उद्देश्य पारस्परिक सहयोग द्वारा क्षेत्र का विकास करना है। भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका तथा मालद्वीप इस संगठन के सदस्य देश है। इस संगठन में अफगानिस्तान भी सम्मिलित हो गया है। इस प्रकार इसके सदस्यों की संख्या बढ़कर वर्तमान में आठ हो गई है। अभी तक सार्क के सोलह शिखर सम्मेलन आयोजित किए जा चुके है। सार्क का 16वां शिखर सम्मेलन 2010 में भूटान में हुआ।

सार्क के सभी देश भौगोलिक रूप से इस प्रकार एक दूसरे से जुड़े है कि इनका एक दूसरे से अलग रहना असंभव है। इनके सांस्कृतिक संबंध भी इतने पुराने है। यह दक्षिण एशिया के आठ पड़ोसी देशों की विश्व राजनीति में

क्षेत्रीय सहयोग की प्रथम शुरूआत है। इसका महत्व निम्नलिखित तथ्यों से स्पष्ट है :–

1. आर्थिक दृष्टि से इस संगठन के देश एक–दूसरे की पर्याप्त सहायता कर सकते है, क्योंकि दक्षिण एशिया स्वयं एक विशाल मण्डी है।
2. आपसी विवादों को हल करने के लिए यह एक उपयुक्त मंच है।
3. संस्कृति कला व विज्ञान के क्षेत्र में आपस में सहयोग करके विकास के मार्ग खोल सकते है।
4. एशिया तथा विश्व की उन समस्याओं में सामूहिक नीति अपना सकते है जिनसे ये देश प्रभावित हो रहे है।
5. इस सहयोग में द्विपक्षीय या बहुपक्षीय सहयोग की अन्य स्थिति का स्थान नहीं रहता है। परस्पर सहयोग पर आधारित है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 6 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

विश्व बैंक की कार्यप्रणाली एवं कार्य :–

1. **विकास योजनाओं हेतु ऋण :–** विश्व बैंक को यह विश्वास हो जाता है कि सदस्य देश ऋण लेने योग्य है तथा अन्य साधनों से उसे उचित शर्तों पर ऋण नहीं मिल पा रहा है।
2. **पूंजी में से प्रत्यक्ष ऋण** :– विश्व बैंक अपनी पूंजी में से प्रत्यक्ष रूप से ऋण देता है अनेक बार यह उधार ली गई पूंजी में से ऋण देता है। यह अपनी गारण्टी पर भी ऋण दिला सकता है।
3. **भुगतान की मुद्रा :–** जब विश्व बैंक किसी देश को गारण्टी पर ऋण दिलाता है तो ऋण लेने वाला भुगतान करते समय उसी मुद्रा का उपयोग करेगा, जिसमें ऋण लिया गया था।
4. **ब्याज** :– विश्व बैंक अपने कोषों में से दिए गए ऋणों पर सदस्य देशों से समय–समय पर निर्धारित दरों से ब्याज वसूलता है। जब बैंक स्वयं गारण्टी

देकर ऋण दिलाता है तो उस पर 1 से 10 प्रतिशत तक कमीशन लेता है इस कमीशन को एक विशेष कोष में जमा कराया जाता है।

5. **तकनीकी सहायता एवं आर्थिक समस्याओं का समाधान :–** विश्व बैंक सदस्य देशों को अपने आर्थिक विशेषज्ञों से उनकी स्थिति का सामान्य पर्यवेक्षण कराकर उन्हें तकनीकी मदद देता है। इसक अलावा वह उनकी आर्थिक समस्याओं को हल करने में भी सहायक होता है।
6. **ऋण का दिया जाना तथा उसका उपयोग :–** विश्व बैंक द्वारा दिए गए ऋण की राशि संबंधित देशों के केन्द्रीय बैंक में जमा की जाती है। ऋण लेने वाली संस्था वहां से अपनी जरूरतों के अनुरूप धन ले सकती है। यहां पर उल्लेखनीय है कि ऋण लेने वाला देश प्राप्त राशि का उपयोग सिर्फ उसी विकास योजना हेतु कर सकता है, जिसके लिए ऋण लिया गया है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 6 अंक प्राप्त होंगे।

– – – – –